

Serial No. (

F-DTN-M-QVBB

## PUBLIC ADMINISTRATION

### Paper—II

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 300

#### INSTRUCTIONS

*Each question is printed both in Hindi and in English. Answers must be written in the medium specified in the Admission Certificate issued to you, which must be stated clearly on the cover of the answer-book in the space provided for the purpose. No marks will be given for the answers written in a medium other than that specified in the Admission Certificate.*

*Candidates should attempt Question Nos. 1 and 5 which are compulsory, and any **three** of the remaining questions selecting at least **one** question from each Section.*

*The number of marks carried by each part of a question is indicated against each.*

*Abbreviations used carry their usual contextual meaning.*

**Important : Whenever a Question is being attempted, all its parts/sub-parts must be attempted contiguously. This means that before moving on to the next Question to be attempted, candidates must finish attempting all parts/sub-parts of the previous Question attempted. This is to be strictly followed.**

*Pages left blank in the answer-book are to be clearly struck out in ink. Any answers that follow pages left blank may not be given credit.*

ध्यान दें : अनुदेशों का हिन्दी रूपान्तर इस प्रश्न-पत्र के पिछले पृष्ठ पर छपा है।

1

\*\*\*



Download FREE UPSC E-BOOKS

FREE!

CLICK HERE

### SECTION—A

1. Attempt each of the following in about **150** words each :— (12×5=60)
  - (a) “The Mughal Administrative System was military rule by nature and a form of centralised despotism.” Analyse.
  - (b) ‘Judges should not govern the country. They can lay down a law, not interfere with governance.’ Discuss.
  - (c) Critically examine the variables in the composition and functioning of Cabinet Committees.
  - (d) “‘Memorandum of Understanding’ scheme between the Government and Public enterprises has forced public undertakings to improve their overall performance.” Do you agree with this statement ?
  - (e) To what extent has the 74th Constitutional Amendment Act created a ‘federation within a federation’ in India ?
2. (a) “The success and prestige enjoyed by a Chief Secretary depend, to a large extent, upon his equations with the varied sets of people and institutions that form the work environment.” Critically evaluate the statement and its relevance to the role of the Chief Secretary in the discharge of his functions. 30
- (b) In the exercise of his/her functions, the President of India is a mere ‘Convenient working hypothesis’. Do you agree with this view ? Justify your reasoning with illustrations. 30
3. (a) ‘Parliamentary Departmental Committees have played their role effectively in analysing the demands for grants.’ Evaluate. 20



खण्ड—'क'

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दीजिए, जो प्रत्येक लगभग 150 शब्दों में हो :— (12×5=60)
- (क) "मुगल प्रशासनिक प्रणाली स्वरूप में सैनिक शासन और केंद्रीकृत स्वैच्छाचारिता का एक प्रकार थी।" विश्लेषण कीजिए।
- (ख) 'न्यायाधीशों को देश पर शासन नहीं करना चाहिए। वे किसी कानून का निर्धारण तो कर सकते हैं, शासन में हस्तक्षेप नहीं कर सकते।' चर्चा कीजिए।
- (ग) मंत्रिमंडल समितियों के गठन एवं प्रकार्यण में चरों का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए।
- (घ) "सरकार और सार्वजनिक उद्यमों के बीच 'सहमति ज्ञापन' योजना ने सार्वजनिक उपक्रमों को अपने समग्र निष्पादन को सुधारने के लिए मजबूर कर दिया है।" क्या आप इस कथन से सहमत हैं ?
- (च) 74वें सांविधानिक संशोधन अधिनियम ने किस सीमा तक भारत में 'परिसंघ के भीतर एक परिसंघ' का सृजन कर दिया है ?
2. (क) "मुख्य सचिव को मिलने वाली सफलता एवं प्रतिष्ठा का आनंद बहुत सीमा तक, उसके कार्य परिवेश का निर्माण करने वाले लोगों के विभिन्न समूहों एवं संस्थाओं के साथ उसके मधुर संबंधों पर निर्भर करता है।" इस कथन का और अपने प्रकार्यों के निर्वाह में मुख्य सचिव की भूमिका के लिए इसकी प्रासंगिकता का समालोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 30
- (ख) अपने प्रकार्यों के निर्वाह में, भारत का राष्ट्रपति केवल 'सुविधाजनक कार्यकारी परिकल्पना' है। क्या आप इस विचार से सहमत हैं ? उदाहरण प्रस्तुत करते हुए अपनी तर्कना को सही ठहराइए। 30
3. (क) 'संसदीय विभागीय समितियों ने अनुदानों की मांगों का विश्लेषण करने में अपनी भूमिका को प्रभावशाली रूप से निभाया है।' मूल्यांकन कीजिए। 20



- (b) (i) Explain the emerging ambiguity in respect of the developmental role of the District Collector in the wake of the 73rd Constitutional Amendment Act. 10
- (ii) Justify 'indicative' planning in the context of LPG. 10
- (c) 'Parliament is an independent institution, not to be seen as an extension of government or of a party.' Elaborate. 20
4. (a) 'The authority of the Governor in the discretionary field is not unrestrained. If it is misused ... the President can check him/her and if necessary, he may even remove the Governor.' Examine this statement critically in the context of the Office of the Governor. 25
- (b) Discuss the recommendations of the Sarkaria Commission in respect of the National Development Council for improving Centre-State planning relations. 20
- (c) 'The *Arthashastra* is a book of political realism.' Elaborate. 15

### SECTION—B

5. Attempt each of the following in about **150** words each :— (12×5=60)
- (a) 'Bureaucrats should not play politics, but understand how politics works.' Comment.
- (b) 'Good governance is closely aligned with *effective* democratic governance.' Elaborate.
- (c) 'Corruption is more of an environmental than an administrative problem.' Discuss.
- (d) 'Questions represent a powerful technique of parliamentary control over expenditure.' Explain.



- (ख) (i) 73वें सांविधानिक संशोधन अधिनियम के परिणामस्वरूप जिला कलक्टर की विकासपरक भूमिका के संबंध में प्रकट होती हुई संदिग्धता को स्पष्ट कीजिए। 10
- (ii) उ.नि.वै. (एल.पी.जी.) के संदर्भ में, 'सांकेतिक' योजनाकरण को सही ठहराइए। 10
- (ग) 'संसद एक स्वतंत्र संस्था है, उसको सरकार या किसी दल के विस्तार के रूप में नहीं देखना चाहिए।' सविस्तार प्रतिपादित कीजिए। 20
4. (क) विवेकगत क्षेत्र में राज्यपाल का प्राधिकार अप्रतिबंधित नहीं है। यदि उसका दुरुपयोग किया जाता है, तो राष्ट्रपति उसको रोक सकते हैं, और यदि आवश्यक हुआ तो राष्ट्रपति उसको बरखास्त भी कर सकते हैं।' राज्यपाल के पद के संदर्भ में इस कथन का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 25
- (ख) केंद्र-राज्य योजनाकरण संबंधों को सुधारने के लिए, राष्ट्रीय विकास परिषद के संबंध में सरकारिया आयोग की सिफारिशों पर चर्चा कीजिए। 20
- (ग) 'अर्थशास्त्र' राजनीतिक यथार्थवाद की पुस्तक है। सविस्तार स्पष्ट कीजिए। 15

खण्ड—'ख'

5. निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्न का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिए :— (12×5=60)
- (क) 'अधिकारियों को राजनीति नहीं खेलनी चाहिए, लेकिन उन्हें समझना तो चाहिए कि राजनीति किस प्रकार कार्य करती है।' टिप्पणी कीजिए।
- (ख) 'सुशासन प्रभावी लोकतांत्रिक शासन के साथ निकटता से पंक्तिबद्ध है।' सविस्तार स्पष्ट कीजिए।
- (ग) 'भ्रष्टाचार प्रशासनिक समस्या से अधिक परिवेशीय समस्या है।' चर्चा कीजिए।
- (घ) 'प्रश्न, व्यय पर संसदीय नियंत्रण के एक शक्तिशाली तकनीक का निरूपण करते हैं।' स्पष्ट कीजिए।



- (e) 'Panchayati Raj Institutions are *still* affected by State control and domination by bureaucracy.' Do you agree ?
6. (a) Local self-government in India is the interplay of several factors — historical, ideological, and administrative. Critically examine these factors. 30
- (b) 'Efforts made towards administrative reforms so far have been lacking in congruence between strategy, structure and substance.' Discuss with illustrations. 30
7. (a) Indian administration is yet to fully appreciate and adopt the benefits of Information Technology. Elucidate. 15
- (b) What is an output-based performance budgeting system ? Analyse this system in the context of India. 15
- (c) NGOs demand greater autonomy from the State and are now 'new actors' in development. How effective are they as instruments of decentralisation and debureaucratisation ? Critically evaluate. 30
8. (a) Compare and contrast the Padmanabhaiah, Ribeiro and Mallinath Committee Reports. 25
- (b) "Even though law and order administration is a State subject in the Indian Constitution, it is paradoxical that the para-military and other kinds of security forces under the Union Government have grown in recent years." Critically analyse the statement. 20
- (c) How does New Localism impact Centre-State-Local relations in the era of LPG ? 15



- (च) 'पंचायती राज संस्थाएं अभी भी राज्य के नियंत्रण और अधिकारीतंत्र के प्रभुत्व से प्रभावित हैं।' क्या आप सहमत हैं ?
6. (क) 'भारत में स्थानीय स्वशासन अनेक कारकों -- ऐतिहासिक, वैचारिक एवं प्रशासनिक--की अन्योन्यक्रिया है।' समालोचनात्मक रूप से इन कारकों का परीक्षण कीजिए। 30
- (ख) "प्रशासनिक सुधारों की दिशा में अभी तक किए गए प्रयासों में रणनीति, संरचना और वास्तविकता के बीच सर्वांगसमता का अभाव रहा है।" उदाहरण प्रस्तुत करते हुए इस पर चर्चा कीजिए। 30
7. (क) 'भारतीय प्रशासन को अभी भी सूचना प्रौद्योगिकी के लाभों का पूर्णरूप से महत्व समझना और उनको अपनाना बाकी है।' सविस्तार स्पष्ट कीजिए। 15
- (ख) आउट-पुट आधारित निष्पादन बजटन प्रणाली क्या होती है ? भारत के संदर्भ में इस प्रणाली का विश्लेषण कीजिए। 15
- (ग) गैर-सरकारी संगठन (एन.जी.ओ.) राज्य से अपेक्षाकृत अधिक स्वायत्तता की मांग करते हैं और अब विकास में 'नए कर्ता' हैं। विकेंद्रीकरण और वि-अधिकारीतंत्रीकरण के साधनों के रूप में वे कितने प्रभावी हैं ? समालोचनात्मक रूप से मूल्यांकन कीजिए। 30
8. (क) पद्मनाभैया, रिबीरो और मल्लिनाथ समितियों की रिपोर्टों की तुलना कीजिए और उनके बीच विषमताएं दर्शाइए। 25
- (ख) "यद्यपि भारत के संविधान में कानून और व्यवस्था प्रशासन एक राज्य विषय है, तथापि यह विरोधाभासी है कि संघ सरकार के अधीन अर्ध-सैनिक और अन्य प्रकार के सुरक्षा बल हाल के वर्षों में बढ़ते चले गए हैं।" समालोचनात्मक रूप से इस कथन का विश्लेषण कीजिए। 20
- (ग) उ.नि.वै. (एल.पी.जी.) के काल में नव स्थानीयता किस प्रकार केंद्र-राज्य-स्थानीय संबंधों पर प्रभाव डालती है ? 15



Serial No.

F-DTN-M-QVBB

लोक प्रशासन

प्रश्न-पत्र—II

समय : तीन घण्टे

पूर्णांक : 300

अनुदेश

प्रत्येक प्रश्न हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपा है।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर-पुस्तक के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्रवेश-पत्र पर उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं। बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न के लिए नियत अंक प्रश्न के अंत में दिए गए हैं।

प्रयुक्त किये गये संक्षेपणों का प्रसंगानुसार अर्थ है।

यह आवश्यक है कि जब भी किसी प्रश्न का उत्तर दे रहे हों, तब उस प्रश्न के सभी भागों/उप-भागों के उत्तर साथ-साथ दें। इसका अर्थ यह है कि अगले प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए आगे बढ़ने से पूर्व पिछले प्रश्न के सभी भागों/उप-भागों के उत्तर समाप्त हो जाएं। इस बात का कड़ाई से अनुसरण कीजिए।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े हुए पृष्ठों को स्याही में स्पष्ट रूप से काट दें। खाली छोटे हुए प्रश्नों के बाद लिखे हुए उत्तरों के अंक न दिए जाएं, ऐसा हो सकता है।

**Note :** English version of the Instructions is printed on the front cover of this question paper.

8

\*\*\*



Download FREE UPSC E-BOOKS

FREE!

CLICK HERE